Celebration under "Azadi Ka Amrit Mahotsav" by ICAR-DRMR, Bharatpur

A Kisan-Gosthi was successfully organized on the topic of **"Food and Nutrition for Farmers"** by **ICAR-Directorate of Rapeseed-Mustard Research, Bharatpur, Rajasthan** on 26th August 2021 to celebrate the **"Azadi Ka Amrit Mahotsav"**. On this occasion 50 farmers of the Nyotha, Shahpur, Jharkai, Kawai, & Lakhanpur villages of Nadbai Taluka; Satyanagar, Chaukipura, & Nagla-Jivana villages of Kumher Taluka; Dhaur village of Sewar Taluka and Hataini village of Bharatpur Taluka of Bharatpur district participated. Director, ICAR-DRMR, Dr P.K. Rai addressed the farmers and explained about the "Azadi Ka Amrit Mahotsav" to celebrate the 75th anniversary of the independence of our nation. He also briefed the farmers about the food and nutritional safety of our country and their role in achieving this goal. He explained to farmers about the biofortified varieties developed by various ICAR institutes and advance mustard production techniques. To achieve the nutritional security of the farmers, seeds of high yielding mustard varieties were distributed. The event was widely reported and popularized by the local newspapers. News clips of 4 newspapers are enclosed below.

आजादी की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में मनाया अमृत महोत्सव

किसानों को दी तकनीक की जानकारी

पत्रिका
लाइव रिपोर्ट

सरसों अनुसंधान निदेशालय में हुआ कार्यक्रम

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भरतपुर . किसानों को उन्नत किस्म के बीज वितरित करते हुए।

भरतपुर . सरसों अनुसंधान निदेशालय की ओर से गुरुवार को भारत की आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत 'किसानों के लिए खाद्य एवं पोषण' शीर्षक पर एक किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया।

समारोह में जिले की नदबई तहसील के न्योंठा, शाहपुर, झारकई, कबई और लखनपुर, कुम्हेर तहसील के सत्यनगर, चौकीपुरा तथा नगला जीवना, सेवर तहसील से धौर गांव और भरतपुर से हथैनी गांव के 50 किसानों ने भाग लिया। निदेशालय के निदेशक डॉ. पी.के. राय ने भारत की आजादी की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में सम्पूर्ण देश में मनाए जा रहे अमृत महोत्सव के बारे में बताया। उन्होंने खाद्य एवं पोषण की महत्ता बताते हुए किसानों को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत आने वाले विभिन्न सस्थानों द्वारा विकसित जैव-संवर्द्धित किस्मों एवं तकनीकियों की जानकारी दी। निदेशालय के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अशोक कुमार शर्मा ने सरसों की उन्नत तकनियों की जानकारी दी। वैज्ञानिक डॉ. मोहन लाल दौतानिया ने किसानों को भारत सरकार की ओर से चलाई जा रही विभिन्न खाद्य एवं पोषण सम्बन्धी योजनाओं के बारे में बताया। वैज्ञानिक डॉ. प्रशांत यादव ने किसानों को जैव प्रौद्योगिकी के बारे में बताते हुए विश्व की जैव प्रौद्योगिकी की ओर से विकसित जैव-संवर्द्धित किस्मों की जानकारी दी। किसानों की खाद्य एवं पोषण सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए निदेशालय की ओर से किसानों को सरसों की उन्नत किस्मों के बीज भी बांटे गए। संचालन वैज्ञानिक डॉ. प्रशान्त यादव ने किया।

दैनिक स्वदेशी गरिमा दौसा (राजस्थान)

किसानों के लिए खाद्य एवं पोषण विषय पर हुई संवाद संगोष्ठी

स्वदेशी गरिमा

बयाना। सरसों अनुसंधान निदेशालय के आयोजन में सेवर अनुसंधान संस्थान की ओर से गुरुवार को भारत की आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत किसानों के लिए खाद्य एवं पोषण+ शीर्षक पर एक किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस समारोह में भरतपुर जिले की नदबई तहसील के न्योंठा, शाहपुर, झारकई, कवई और लखनपुर गांवय कुम्हेर तहसील के सत्यनगर, चैकीपुरा तथा नगला जीवना गांवय सेवर तहसील से धौर गांव और भरतपुर से हतैनी गांव के 50 किसानों ने भाग लिया। निदेशालय के निदेशक डॉक्टर पी.के. राय ने इस अवसर पर भारत की आजादी की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में सम्पूर्ण देश में मनाये जा रहे अमृत महोत्सव के बारे में बताया। इसके साथ ही उन्होंने खाद्य एवं पोषण की महत्ता बताते हुए किसानों को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत आने वाले विभिन्न संस्थानों द्वारा विकसित जैव-संवर्द्धित किस्मों एवं तकनीकियों की जानकारी दी। निदेशालय के प्रधान वैज्ञानिक डॉक्टर अशोक कुमार शर्मा ने सरसों की उन्नत तकनिकीयों की जानकारी दी। वैज्ञानिक डॉक्टर मोहन लाल दौतानियाँ ने किसानों को भारत सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न खाद्य एवं पोषण सम्बन्धी योजनाओं के बारे में बताया।

वैज्ञानिक डॉक्टर प्रशांत यादव ने किसानों को जैव प्रौद्योगिकी के बारे में बताते हुए विश्व की जैव प्रौद्योगिकी द्वारा विकसित जैव-संवर्द्धित किस्मों की जानकारी दी। इस अवसर पर किसानों की खाद्य एवं पोषण सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए निदेशालय की ओर से किसानों को सरसों की उन्नत किस्मों के बीज भी बांटे गए। कार्यक्रम का संचालन वैज्ञानिक डॉक्टर प्रशांत यादव ने किया।

किसानों के लिए खाद्य एवं पोषण विषय पर हुई संवाद संगोष्ठी

महानगर संवाददाता

बयाना। सरसों अनुसंधान निदेशालय के आयोजन में सेवर अनुसंधान संस्थान की ओर से गुरुवार को भारत की आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत शिकसानों के लिए खाद्य एवं पोषणश् शीर्षक पर एक किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस समारोह में भरतपुर जिले की नदबई तहसील के न्योंठाए शाहपुरए झारकईए कवई और लखनपुर गांवय कुम्हेर तहसील के सत्यनगरए चौकीपुरा तथा नगला जीवना गांवय सेवर तहसील से धौर गांव और भरतपुर से हतैनी गांव के 50 किसानों ने भाग लिया। निदेशालय के निदेशक डॉक्टर पीण्केण् राय ने इस अवसर पर भारत की आजादी की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में सम्पूर्ण देश में मनाये जा रहे अमृत महोत्सव के बारे में बताया। इसके साथ ही उन्होंने खाद्य एवं पोषण की महत्ता बताते हुए किसानों को भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् के अंतर्गत आने वाले विभिन्न सस्थानों द्वारा विकसित जैव.संवर्द्धित किस्मों एवं तकनीकियों की जानकारी दी। निदेशालय के प्रधान वैज्ञानिक डॉक्टर अशोक कुमार शर्मा ने सरसों की उन्नत तकनिकीयों की जानकारी दी। वैज्ञानिक डॉक्टर मोहन लाल दौतानिया ने किसानों को भारत सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न खाद्य एवं पोषण सम्बन्धी योजनाओं के बारे में बताया। वैज्ञानिक डॉक्टर प्रशांत यादव ने किसानों को जैवप्रौद्योगिकी के बारे में बताते हुए विश्व की जैवप्रौद्योगिकी द्वारा विकसित जैव.संवर्द्धित किस्मों की जानकारी दी। इस अवसर पर किसानों की खाद्य एवं पोषण सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए निदेशालय की ओर से किसानों को सरसों की उन्नत किस्मों के बीज भी बांटे गए। कार्यक्रम का संचालन वैज्ञानिक डॉक्टर प्रशान्त यादव ने किया।

आजादी की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में अमृत महोत्सव का आयोजन

(राजस्थान स्टेटमेन्ट)

भरतपुर। सरसों अनुसंधान निदेशालय द्वारा भारत की आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत किसानों के लिए खाद्य एवं पोषण शीर्षक पर एक किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस समारोह में जिले की नदबई तहसील के न्योंठा, शाहपुर, झारकई, कवई और लखनपुर गांव; कुम्हेर तहसील के सत्यनगर, चौकीपुरा तथा नगला जीवना गांव; सेवर तहसील से धौर गांव और भरतपुर से हतैनी गांव के 50 किसानों ने भाग लिया। निदेशालय के निदेशक डॉ पी.के. राय ने इस अवसर पर भारत की आजादी की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में सम्पूर्ण देश में मनाये जा रहे अमृत महोत्सव के बारे में बताया। इसके साथ ही उन्होंने खाद्य एवं पोषण की महत्ता बताते हुए किसानों को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत आने वाले विभिन्न सस्थानों द्वारा विकसित जैव-संवर्द्धित किस्मों एवं तकनीकियों की जानकारीदी। निदेशालय के प्रधान वैज्ञानिक डॉ अशोक कुमार शर्मा ने सरसों की उन्नत तकनिकों की जानकारी दी। वैज्ञानिक डॉ मोहनलाल दौतानिया ने किसानों को भारत सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न खाद्य एवं पोषण सम्बन्धी योजनाओं के बारे में बताया। वैज्ञानिक डॉक्टर प्रशांत यादव ने किसानों को जैव प्रौद्योगिकी के बारे में बताते हुए विश्व की जैवप्रौद्योगिकी द्वारा विकसित जैव-संवर्द्धित किस्मों की जानकारी दी। इस अवसर पर किसानों की खाद्य एवं पोषण सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए निदेशालय की ओर से किसानों को सरसों की उन्नत किस्मों के बीज भी बांटे गए। कार्यक्रम का संचालन वैज्ञानिक डॉ प्रशान्त यादव ने किया।

FOOD AND NUTRITION FOR FARMERS